Chowgule Education Society's
Parvatibai Chowgule College of Arts and Science
(Autonomous)
Accredited by NAAC with Grade 'A+'
Best Affiliated College-Goa University Silver Jubilee Year Award

1962-2022

MINUTES OF MEETING OF THE BOARD OF STUDIES IN HINDI HELD ON 13th October, 2023 AT 10:00 A.M.

Vide Chowgule College notice (F133C/751 dated 26 September 2023) a meeting of this BOS was convened on 13th October 2023, at 10.00 am at AV room in Parvatibai Chowgule College of Arts and Science, Margao-Goa. Since the number of members of present represented the Quorum, the BOS began its proceedings.

Minutes are presented in the format.

Members present:

1. Dr. Pradeep R. Jatal - Chairperson
2. Dr. Brijpal Singh Gahloth - Academic Council Nominee
3. Dr. Sandeep Lotlikar - Academic Council Nominee
4. Prof. Soniya Sirsat- - Vice-Chancellor Nominee, Goa University
5. Shri. Satish Dhuri - Industry Representative
6. Mr. Akbarali Shaikh - Alumni
7. Ms. Alka Gawas - Member Secretary
8. Mrs. Varsha Prabhugaonkar - Member

Proceedings:

The Chairman welcomed the members of the board of studies (BOS) the Chairman introduced and explained the agenda for the meeting and Board transacted the following business.

Agenda Items

Agenda:

1. To approve the UG syllabus for semester III & IV under NEP 2020.
2. To approve the Multi disciplinary, Skill Enhancement, Vocational Education & Training, Ability Enhancement (Modern Indian Languages) Syllabus under NEP 2020.
3. A.O.B.

Parvatibai Chowgule College of Arts & Science (Autonomous) ★ MARGAO GOA

PART A: Resolution: -

1. Approved the UG syllabus for semester III & IV under NEP 2020.

सर्वप्रथम बी.ए. तृतीय एवं चतुर्थ सत्र का पाठ्यक्रम चर्चा के लिए 'हिंदी अध्ययन मंडल' (बी.ओ.एस.) के समक्ष प्रस्तुत किया। जिसमें विभिन्न प्रकार के कोर्सेस को अध्यक्ष के द्वारा तर्कसंगत रूप में प्रस्तुत किया गया। बैठक में उपस्थित सदस्यों द्वारा महत्वपूर्ण सुझाव देकर कुछ कोर्सेस के अंतर्गत आवश्यक परिवर्तन किया। जिसे सर्वसम्मति से स्वीकृत किया गया। जो निम्नवत है-

- **सत्र III** का पाठ्यक्रम बी.ओ.एस. सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत किया गया जिसमें **UG- HIN -201:** हिंदी नाटक: वृत्तचित्र एवं फीचर फिल्म, **UG- HIN -202:** हास्य–व्यंग्य निबंध एवं पत्रकारिता, **UG-HIN-203 :** हिंदी निबंध इन कौर्सेस के अंतर्गत आवश्यक परिवर्तन कर बी.ओ.एस. सदस्यों द्वारा स्वीकृत किया गया।
- **सत्र IV** का पाठ्यक्रम बी.ओ.एस. सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत किया गया जिसमें **UG- HIN -204:** हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल एवं रीतिकाल), **UG- HIN -205:** मध्यकालीन काव्य (चयनित कविताएँ), **UG- HIN -206:** प्रयोजनमूलक हिंदी : अनुवाद एवं पत्रलेखन, **UG-HIN -207:** विशेष अध्ययन :हिंदी कहानी इन कौर्सेस के अंतर्गत आवश्यक परिवर्तन कर बी.ओ.एस. सदस्यों द्वारा स्वीकृत किया गया।

2. **Approved the Multidisciplinary, Skill Enhancement, Vocational Education & Training, Ability Enhancement (Modern Indian Languages) Syllabus under NEP 2020.**

- **सत्र III** का पाठ्यक्रम बी.ओ.एस. सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत किया गया जिसमें **UG- HIN -MDC3:** लोक साहित्य, **UG -HIN -AEC2:** वाचन एवं लेखन कौशल, **UG- HIN -SEC3:** हिंदी साहित्य और सिनेमा इन कौर्सेस के अंतर्गत आवश्यक परिवर्तन कर बी.ओ.एस. सदस्यों द्वारा स्वीकृत किया गया।
- **सत्र IV** का पाठ्यक्रम बी.ओ.एस. सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत किया गया जिसमें **UG- HIN – VOC 1** हिंदी अनुवाद इस कोर्स का शीर्षक बदलकर 'अनुवाद: सिद्धांत एवं व्यवहार' रखने का सुझाव बी.ओ.एस द्वारा दिया गया।

3. **A.O.B.**

- अतिरिक्त संदर्भ ग्रंथों को जोड़ा गया।
- इन प्रश्नपत्रों के CO'S में आवश्यकतानुसार सुधार किए गए।

Parvatibai Chowgule College of Arts & Science (Autonomous)
MARGAO GOA

PART B:

i. Important Points/ recommendations of BOS that require consideration / approval of Academic Council:

1. To approve the UG syllabus for semester III & IV under NEP 2020.

- **सत्र III** का पाठ्यक्रम बी.ओ.एस. सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत किया गया जिसमें **UG- HIN -201:** हिंदी नाटक: वृत्तचित्र एवं फीचर फिल्म, **UG- HIN -202:** हास्य–व्यंग्य निबंध एवं पत्रकारिता, **UG-HIN-203 :** हिंदी निबंध इन कौर्सेस के अंतर्गत आवश्यक परिवर्तन कर बी.ओ.एस. सदस्यों द्वारा स्वीकृत किया गया।
- **सत्र IV** का पाठ्यक्रम बी.ओ.एस. सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत किया गया जिसमें **UG- HIN -204:** हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल एवं रीतिकाल), **UG- HIN -205:** मध्यकालीन काव्य (चयनित कविताएँ), **UG- HIN -206:** प्रयोजनमूलक हिंदी : अनुवाद एवं पत्रलेखन, **UG-HIN -207:** विशेष अध्ययन :हिंदी कहानी इन कौर्सेस के अंतर्गत आवश्यक परिवर्तन कर बी.ओ.एस. सदस्यों द्वारा स्वीकृत किया गया।

2. To approve the Multidisciplinary, Skill Enhancement, Vocational Education & Training, Ability Enhancement (Modern Indian Languages) Syllabus under NEP 2020.

- **सत्र IV** का पाठ्यक्रम बी.ओ.एस. सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत किया गया जिसमें **UG- HIN – VOC 1** हिंदी अनुवाद इस कोर्स का शीर्षक बदलकर 'अनुवाद: सिद्धांत एवं व्यवहार' रखने का सुझाव बी.ओ.एस. द्वारा दिया गया।

3. A.O.B.

- अतिरिक्त संदर्भ ग्रंथों को जोड़ा गया।
- इन प्रश्नपत्रों के CO'S में आवश्यकतानुसार सुधार किए गए।

Chowgule College of Arts & Science (Autonomous) MARGAO GOA

The foregoing minutes of the meeting were read out by the member Secretary at the meeting itself and they were unanimously approved by the entire Members Present.

Members present:

1. Dr. Pradeep R. Jatal	- Chairperson
2. Dr. Brijpal Singh Gahloth	- Academic Council Nominee
3. Mr. Sandeep Lotlikar	- Academic Council Nominee
4. Prof. Soniya Sirsat	- Vice-Chancellor Nominee, Goa university
5. Shri. Satish Dhuri	- Industry Representative
6. Mr. Akbarali Shaikh	- Alumni
7. Ms. Alka Gawas	- Member Secretary
8. Mrs. Varsha Prabhugaonkar	- Member
9. Ms. Shambhavi Naik	- Member
10. Ms. Neha Khan	- Member

Miss Alka Gawas
Member Secretary
Board of Studies

Dr. Pradeep R. Jatal
Signature of Chairperson
Board of Studies

Date: 13th October, 2023

PART C:The remarks of the Dean of the Faculty:-

a. The minutes are in order.
b. The minutes may/not be placed before the Academic Council with remark, if any.
c. Important points of the minutes which need clear policy decision of the Academic Council to be recorded.

Date: 13th October, 2023

Signature of the Academic Dean:

Dr. Meghana Devli

PARTD:The remarks of the Members Secretary of theAcademic Council:-

a. The minutes are in order.

b. The minutes may be placed before the Academic Council with remark,if any.

c. Important points of the minutes which need clear policy decision of the Academic Council to be recorded.

Date: 19/10/23.

Signature of the Member Secretary of Academic Council

Parvatibai Chowgule College of Arts & Science (Autonomous) MARGAO GOA

Mr. V.C. Kumaresh

Parvatibai Chowgule College of Arts and Science
(Autonomous)
Accredited by NAAC with Grade 'A+'
Best Affiliated College-Goa University Silver Jubilee Year Award

DEPARTMENT OF HINDI

SYLLABUS

Semester- III[rd] & IV[th]
(2023-2024)

COURSE STRUCTURE

SEMESTER	MAJOR CORE	MINOR/ VOCATIONAL	MULTIDISCIPLINARY COURSE (MDC)	VALUE ADDED COURSES (VAC)	ABILITY ENHANCEMENT COURSE (AEC)	SKILL ENHANCEMENT COURSE (SEC)
I	**UG- HIN -101:** हिंदी कहानी एवं शब्दसाधन	**UG-HIN-102:** हिंदी गीत: परंपरा और प्रयोग	**UG-HIN-MDC1:** सृजनात्मक लेखन	**UG-HIN-VAC1:** योग शिक्षण **UG-HIN -VAC2:** भारतीय संविधान : मूल्य, अधिकार एवं कर्तव्य	**UG-___-AEC1:** **(for English)**	**UG-HIN - SEC1:** हिंदी पथनाट्य (नुक्कड़ नाटक)
II	**UG-HIN-103:** हिंदी कविता एवं काव्यसौंदर्य	**UG-HIN -104:** हिंदी लघुकथा	**UG- HIN -MDC2:** व्यावहारिक एवं रचनात्मक लेखन	**UG- HIN -VAC3:** गोवा प्रदेश और पर्यटन	**UG- HIN - AEC1:** श्रवण एवं संभाषण कौशल **(for MIL)** **UG-___-AEC2:** **(for English)**	**UG- HIN - SEC2:** हिंदी एकांकी
III	**UG- HIN -201:** हिंदी नाटक, वृत्तचित्र एवं फीचर फिल्म	**UG- HIN-203 :** हिंदी निबंध	**UG- HIN -MDC3:** लोक साहित्य	--------	**UG -HIN - AEC2:** वाचन एवं लेखन कौशल **(for MIL)**	**UG- HIN - SEC3:** हिंदी साहित्य और सिनेमा
	UG- HIN -202: हास्य-व्यंग्य निबंध एवं पत्रकारिता					
IV	**UG- HIN -204:** हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल एवं रीतिकाल)	**UG- HIN – VOC 1** अनुवाद: सिद्धांत एवं व्यवहार				

	UG- HIN -205: मध्यकालीन काव्य (चयनित कविताएँ)					
	UG- HIN -206: प्रयोजनमूलक हिंदी : अनुवाद एवं पत्रलेखन					
	UG-HIN -207: विशेष अध्ययन : हिंदी कहानी					
V	**UG- HIN -301:** हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	**UG- HIN – VOC 2** ई-पत्रकारिता				
	UG- HIN -302: भारतीय काव्यशास्त्र					
	UG- HIN -303: हिंदी पत्रकारिता : मुद्रित एवं इलेक्ट्रॉनिक					
VI	**UG- HIN -304:** पाश्चात्य काव्यशास्त्र	**UG- HIN – VOC3** मनोरंजन क्षेत्र और हिंदी				
	UG- HIN -305: विशेष अध्ययन: हिंदी उपन्यास					
	UG- HIN -306: हिंदी भाषा, लिपि एवं व्याकरण					
	UG- 307HIN - PRJ:					
VII	**UG- HIN -401:**	**UG- HIN -**				

	भाषाविज्ञान	**405** हिंदी महिला लेखन				
	UG- HIN -402: मीडिया लेखन : रेडियो एवं टेलीविजन					
	UG- HIN -403: कथेत्तर गद्य साहित्य : रेखाचित्र,संस्मरण, यात्रावृतांत, आत्मकथ एवं जीवनी (किसी विधा की एक पाठ्यपुस्तक)					
	UG- HIN -404: नाटक एवं रंगमंच					
VIII	**UG- HIN -406:** भारतीय साहित्य	**UG- HIN -410** हिंदी दलित लेखन				
	UG- HIN -407: हिंदी साहित्य में विविध विमर्श					
	UG- HIN -408: आलोचक और आलोचना					
	UG- HIN -409: आधुनिक हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि					

SEMESTER III

S.Y.B.A - (Semester – III)
<u>Core Course</u>
Course Title: हिंदी नाटक, वृत्तचित्र एवं फीचर फिल्म
Course Code: UG-HIN-201
Marks: 100
Credit: 4 (60 Lectures)

Course Objective

1) नाटक की अवधारणा, स्वरूप एवं तत्वों (नाट्य परंपरा) से परिचित कराना।
2) असगर वजाहत एवं उनके रचना संसार से अवगत कराना।
3) 'जिस लाहौर नइ देख्या ओ जम्याइ नई नाटक 'के माध्यम से सांप्रदायिक सद्भाव एवं मानवीय मूल्यों को समझाना।
4) वृत्तचित्र एवं फीचर लेखन के सैद्धांतिक पक्ष तथा उसके अंतर को स्पष्ट करना।

Course Outcome:

1) नाटक की अवधारणा, स्वरूप एवं तत्वों (नाट्य परंपरा) से परिचित होंगे।
2) असगर वजाहत एवं उनके रचना संसार से अवगत होंगे।
3) 'जिस लाहौर नई देख्या ओ जम्याइ नई नाटक 'के माध्यम से सांप्रदायिक सद्भाव एवं मानवीय मूल्यों को समझने में सक्षम होंगे।
4) वृत्तचित्र एवं फीचर लेखन के सैद्धांतिक पक्ष तथा उसके अंतर को समझने में सक्षम होंगे।

Syllabus:

इकाई विभाजन :

इकाई एक-	नाटक की अवधारणा, स्वरूप एवं तत्व।	**(15 Lectures)**
इकाई दो -	'जिस लाहौर नई देख्या वो जम्याइ नई' का पाठ्यालोचन।	**(15 Lectures)**
इकाई तीन -	'जिस लाहौर नई देख्या वो जम्याइ नई' का समीक्षात्मक अध्ययन।	**(15 Lectures)**
इकाई चार-	वृत्तचित्र एवं फीचर फिल्म : अवधारणा, विशेषताएँ एवं अंतर।	**(15 Lectures)**

संदर्भ ग्रंथ

1. दशरथ ओझा, 'हिन्दी नाटक का विकास',राजपाल एण्ड सन्स, नयी दिल्ली,2003
2. के. वी. नारायण कुरूप, साठोत्तर हिन्दी नाटक- लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद, 2007
3. सत्यदेव त्रिपाठी, समकालीन फिल्मों के आईने में समाज-शिल्पायन प्रकाशन,दिल्ली, 2013
4. सं.डॉ.शैलजा भारद्वाज, साहित्य और सिनेमा-चिंतन प्रकाशन,कानपुर, 2013
5. हरीश कुमार, सिनेमा और साहित्य संजय प्रकाशन,दिल्ली,2010
6. मनोहर श्याम जोशी, 'पटकथा लेखन', राजकमल प्रकाशन,दिल्ली, 2002

F.Y.B.A - (Semester – III)
<u>Core Course</u>

Core Course Title: हास्य-व्यंग्य निबंध एवं पत्रकारिता
Course Code: UG-HIN-202

Marks: 100
Credit: 4 (60 Lectures)

Course Objectives:

1) निबंध विधा का परिचय कराते हुए हास्य-व्यंग्य की अवधारणा तथा स्वरूप को समझाना।
2) हास्य-व्यंग्य निबंध एवं निबंधकारों से अवगत कराना।
3) पत्रकारिता का सामान्य परिचय कराना।
4) पत्रकारिता की उपयोगिता एवं महत्व को समझाना।

Course Outcome:

1) निबंध विधा का परिचय कराते हुए हास्य-व्यंग्य की अवधारणा तथा स्वरूप को समझेंगे ।
2) हास्य-व्यंग्य निबंध एवं निबंधकारों से अवगत होंगे।
3) पत्रकारिता का सामान्य परिचय प्राप्त करेंगे।
4) पत्रकारिता की उपयोगिता एवं महत्व को समझेंगे।

Syllabus:

इकाई एक - **(15 Lectures)**

1. हास्य एवं व्यंग्य की अवधारणा एवं स्वरूप।
2. हास्य एवं व्यंग्य के तत्त्व।
3. हास्य एवं व्यंग्य में अंतरसंबंध।

इकाई दो - **(15 Lectures)**

1. नया साल- अमृतराय।
2. अपना मकान- इंद्रनाथ मदान।
3. पगडंडियों का जमाना- हरिशंकर परसाई।
4. मोची भया उदास -प्रेम जनमेजय

इकाई तीन - **(15 Lectures)**

1. अध्यक्ष महोदय -शरद जोशी ।
2. घूस एक चिकनाई है- रवीद्र कालिया।
3. धमाका- अभिमन्यु अनत।
4. अच्छी हिन्दी - रवीन्द्र नाथ त्यागी

इकाई चार - **(15 Lectures)**

1. पत्रकारिता का सामान्य परिचय।
2. पत्रकारिता के भेद।
3. पत्रकारिता की उपयोगिता एवं महत्त्व।

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ.बालेन्दु शेखर तिवारी,'हिन्दी का स्वातंत्र्योत्तर हास्य और व्यंग्य',अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपुर,1978
2. डॉ. प्रेमनारायन टंडन,'हिन्दी साहित्य में हास्य-व्यंग्य',हिन्दी साहित्य भंडार,लखनऊ,1975
3. डॉ. *उषा शर्मा,'हिन्दी निबंध साहित्य में व्यंग्य'*,आत्माराम एण्ड सन्स कश्मीरी गेट, दिल्ली, 1985
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी - विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, वर्ष 2007
5. डॉ.माधव सोनटक्के,'प्रयोजनमूलक हिन्दी', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,2008
6. कैलाशचंद्र पाण्डेय, 'प्रयोजनमूलक हिन्दी की नयी भूमिका', लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद, 2007

S.Y.B.A - (Semester – III)
Core Course
Course Title: हिंदी निबंध
Course Code: UG-HIN-203
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective :

1) विद्यार्थी निबंध के स्वरूप, तत्व, भेद तथा विकासक्रम को समझाना।
2) हिंदी के प्रमुख निबंधकार एवं उनके निबंधों से अवगत कराना।
3) कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर एवं उनके निबंधों का मार्मिक अध्ययन कराना ।
4) निर्धारित निबंधों का समीक्षात्मक विवेचन कराना तथा निबंध लेखन की ओर अग्रसर कराना।

Course Outcome -

1) विद्यार्थी निबंध के स्वरूप, तत्व, भेद तथा विकासक्रम की जानकारी प्राप्त करेंगे।
2) हिंदी के प्रमुख निबंधकार एवं उनके निबंधों से अवगत होंगे।
3) कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर एवं उनके निबंधों का मार्मिक अध्ययन करने में सक्षम होंगे।
4) निर्धारित निबंधों का समीक्षात्मक विवेचन कर सकेंगे तथा निबंध लेखन की ओर अग्रसर होंगे।

Syllabus:

इकाई एक - **(15 Lectures)**

निबंध: स्वरूप, तत्व एवं भेद।

इकाई दो - **(15 Lectures)**

1) गेंहु बनाम गुलाब - रामवृक्ष बेनीपुरी
2) नाखून क्यों बढ़ते हैं? - हजारी प्रसाद द्विवेदी
3) जादू की सरकार - शरद जोशी
4) मेरे राम का मुकुट भीग रहा है -विद्यानिवास मिश्र

इकाई तीन - **(15 Lectures)**

ज़िंदगी मुस्कुराई कन्हैयालाल मिश्र -'प्रभाकर'(कोई पाँच)

इकाई चार - **(15 Lectures)**

निर्धारित निबंधों का समीक्षात्मक विवेचन।

संदर्भ ग्रंथ-

1. डॉ गणपतिचन्द्र गुप्त ,*'साहित्यिक निबंध',* लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1981
2. डॉ. भोलानाथ तिवारी ,*'हिंदी साहित्य'* हिंदी परिषद, प्रकाशन प्रयाग, 1971
3. डॉ. रामचन्द्र शुक्ल,*'हिंदी साहित्य का इतिहास',* नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, 1961
4. डॉ. बच्चन सिंह, '*आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास*', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2005
5. डॉ. नगेंद्र, डॉ. हरदयाल *'हिंदी साहित्य का इतिहास',* मयूर पेपरबैक्स, 2014

S.Y.B.A/B.Sc. - (Semester – III)
Multidiciplinary Course

Course Title: लोक साहित्य

Course Code: UG-HIN-MDC3

Marks: 75
Credits: 03 (45 Lectures)

Course Objective:

1) लोक साहित्य की अवधारणा एवं स्वरूप से परिचित कराना।
2) लोक और साहित्य के अंत: संबंध, लोक साहित्य के अध्ययन की समस्याओं से अवगत कराना।
3) लोक साहित्य के इतिहास और उसके प्रमुख रूपों के वर्गीकरण को स्पष्ट करना।
4) लोक संस्कृति, लोक नृत्य एवं लोक संगीत को समझाना।

Learning Outcome:

1) लोक साहित्य की अवधारणा एवं स्वरूप से परिचित होंगे।
2) लोक और साहित्य के अंत:संबंध, लोक साहित्य के अध्ययन की समस्याओं से अवगत होंगे।
3) लोक साहित्य के इतिहास और उसके प्रमुख रूपों के वर्गीकरण को स्पष्ट कर सकेंगे।
4) लोक संस्कृति, लोक नृत्य एवं लोक संगीत को समझने में सक्षम होंगे।

Syllabus:

इकाई एक - **(15 Lectures)**

लोक साहित्य की अवधारणा
लोक संस्कृति और साहित्य
साहित्य और लोक का अंतः सम्बन्ध
लोक साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ

इकाई दो - **(15 Lectures)**

लोक गीत - संस्कारगीत, व्रतगीत, श्रमगीत, ऋतुगीत, जातिगीत
लोक कथा: व्रतकथा, पशुकथा, परिकथा, अद्भुत कथा, नाग कथा

इकाई तीन - **(15 Lectures)**

लोकनृत्य - गर्भा, भंघड़ा, लावणी, फुगड़ी, धालो, मांडों

लोकनाट्य - रामलीला, रासलीला, कीर्तनियाँ, विदेशिया, नौटंकी

लोकभाषा : लोक संभाषित मुहावरे, कहावते, लोकोक्तियाँ, पहेलियाँ

संदर्भ ग्रंथ -

1) डॉ. श्री राम शर्मा, लोकसाहित्य सिद्धान्त एवं परंपरा, साहित्य सरोवर प्रकाशन, आगरा, 2020
2) डॉ. राजेश्वर प्रसाद चतुर्वेदी, लोक साहित्य, हरीश प्रकाशन मंदिर, प्रताप नगर आगरा 2021
3) डॉ. विश्वंभर पाण्डेय, भारतीय लोक साहित्य एवं संस्कृति, ओम प्रकाशन, जयपुर राजस्थान, 2017
4) डॉ. सत्येंद्र, लोक साहित्य विज्ञान, आर प्रकाशन, 2017
5) श्याम परमार, भारतीय लोक साहित्य, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली- 1954
6) डॉ.कुंदनलाल उप्रेती, लोक साहित्य के प्रतिमान, भारत प्रकाशन मंदिर,अलीगढ़ 1971

S.Y.B.A - (Semester – III)

AEC**- Ability Enhancement Course**

Course Title: वाचन एवं लेखन कौशल

Course Code: UG-HIN-AEC2

Marks: 50

Credits: 02 (30 Lectures)

Course Objective:

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से-

1) वाचन कौशल के स्वरूप, महत्व एवं आवश्यकता समझाना।
2) हिंदी भाषा के व्यवहार में सक्षम बनाना।
3) लेखन कला के स्वरूप, महत्व एवं आवश्यकता से अवगत कराना।
4) सृजनात्मक लेखन कला की ओर प्रेरित कराना।

Course Outcome:

1) वाचन कौशल का स्वरूप, महत्व एवं आवश्यकता से अवगत होंगे।
2) हिंदी भाषा के व्यवहार में सक्षम बनेंगे।
3) लेखन कला के स्वरूप, महत्व एवं आवश्यकता से अवगत होंगे।
4) सृजनात्मक लेखन कला में सक्षम होंगे।

Syllabus:

इकाई एक -वाचन कौशल। (15 Lectures)

1. वाचन कौशल का स्वरूप।
2. वाचन कौशल का महत्त्व।
3. वाचन कौशल के उद्देश्य।
4. वाचन कौशल की विशेषताएँ।
5. वाचन कौशल के सुधार के उपाय।

इकाई दो - लेखन कौशल। (15 Lectures)

1. लेखन कौशल का स्वरूप।

2. लेखन कौशल का महत्त्व।
3. लेखन कौशल के उद्देश्य।
4. लेखन कौशल की विशेषताएँ।
5. लेखन कौशल के सुधार के उपाय।

(**नोट** : इस प्रश्न पत्र पर विद्यार्थियों से कौशल आधारित कार्य कराया जाएगा।)

संदर्भ ग्रंथ

1. नीलम मान, हिंदी का सही प्रयोग -तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, वर्ष 2005
2. भानुशंकर मेहता, 'बोलने की कला',विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी, 2013
3. ईश्वरचंद राही, 'लेखन कला का इतिहास',उत्तरप्रदेश हिंदी संस्थान,लखनऊ,1983
4. रामचंद्र वर्मा,'अच्छी हिंदी ', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,2008
5. शशिबाला-'हिंदी शिक्षण विधियाँ',डिस्कवरी पब्लिशिंग हाउस,नई दिल्ली,2006

(नोट - वाचन एवं लेखन कौशल से जुड़े विभिन्न रोजगार क्षेत्रों की विद्यार्थियों को जानकारी दी जाएगी)

S.Y.B.A/B.Sc. - (Semester – III)

<u>SEC</u> (Skill Enhancement Course)

Course Title: हिंदी साहित्य और सिनेमा

Course Code: UG-HIN-SEC3

Marks: 75

Credits: 03 (45 Lectures)

Course Objective:

1) हिंदी सिनेमा की अवधारणा एवं स्वरूप से परिचित कराना।
2) साहित्य और सिनेमा के अंतर्संबंध से अवगत कराना
3) साहित्य पर आधारित फिल्मों का अध्ययन कराना।
4) साहित्य से फिल्मांतरण की प्रक्रिया को समझाना।

Course Outcome:

1) हिंदी सिनेमा की अवधारणा एवं स्वरूप से परिचित होंगे।
2) साहित्य और सिनेमा के अंतर्संबंध से अवगत होंगे।
3) साहित्य पर आधारित फिल्मों का अध्ययन करने में सक्षम होंगे।
4) साहित्य से फिल्मांतरण की प्रक्रिया को समझने में सक्षम होंगे।

Syllabus:

इकाई एक - हिंदी सिनेमा: अवधारणा एवं स्वरूप (15 Lectures)

सिनेमा का उद्भव एवं विकास

इकाई दो - साहित्य और सिनेमा का अंत:संबंध (15 Lectures)

साहित्य का फिल्मांतरण और उसकी समस्याएं

इकाई तीन - निर्धारित/चयनित फिल्मों का अध्ययन (15 Lectures)

1. शतरंज के खिलाड़ी
2. रजनीगंधा
3. गोडसे@गांधी.कॉम
4. टोबा टेक सिंह

संदर्भ ग्रंथ-

1) संजीव श्रीवास्तव, 'हिंदी सिनेमा का इतिहास', प्रकाशन विभाग,2004
2) विनोद भारद्वाज , 'सिनेमा: कल आज और कल' ,वाणी प्रकाशन, 2005
3) जवरीमल्ल पारेख, 'हिंदी सिनेमा का समाजशास्त्र', ग्रन्थ शिल्पी, 2006
4) संजीव श्रीवास्तव, 'समय,सिनेमा और इतिहास', प्रकाशन विभाग,2014
5) जवरीमल्ल पारख, 'लोकप्रिय सिनेमा और सामजिक यथार्थ', अनामिका पब्लिशर्स 2019
6) दिलचस्प, हिंदी सिनेमा के सौ वर्ष, भारतीय पुस्तक परिषद,नई दिल्ली 2009
7) राही मासूम रजा, 'सिनेमा और संस्कृति', वाणी प्रकाशन,दरियागंज, नई दिल्ली 2020

SEMESTER IV

S.Y.B.A - (Semester – IV)

Core Course

Course Title: हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल एवं रीतिकाल)

Course Code: UG-HIN-204

Marks: 100

Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

1) हिंदी साहित्य का काल विभाजन समझाना तथा काव्य धाराओं का परिचय कराना।
2) हिंदी साहित्य की आदिकालीन परिस्थितियों एवं विभिन्न काव्य प्रवृत्तियों से अवगत कराना।
3) भक्ति आंदोलन की परिस्थितियाँ, परिवेश तथा काव्य प्रवृत्तियों से परिचित कराना।
4) रीतिकालीन परिवेश एवं प्रवृत्तियों का ज्ञान कराना।

Course Outcome:

1) हिंदी साहित्य का काल विभाजन समझाना तथा काव्य धाराओं का परिचय होगा।
2) हिंदी साहित्य की आदिकालीन परिस्थितियों एवं विभिन्न काव्य प्रवृत्तियों से अवगत होंगे।
3) भक्ति आंदोलन की परिस्थितियाँ, परिवेश तथा काव्य प्रवृत्तियों से परिचित होंगे।
4) रीतिकालीन परिवेश एवं प्रवृत्तियों का ज्ञान प्राप्त होगा।

Syllabus:

इकाई एक - आदिकाल **(15 Lectures)**

आदिकालीन साहित्य की परिस्थितियाँ, रासो काव्य परंपरा, सिद्ध, जैन एवं नाथ काव्य परंपरा का सामान्य परिचय एवं प्रवृत्तियाँ।

इकाई दो- भक्ति आंदोलन एवं परिस्थितियाँ **(15 Lectures)**

भक्ति आंदोलन

भक्ति साहित्य की परिस्थितियाँ

इकाई तीन- निर्गुण एवं सगुण भक्तिकाव्य **(15 Lectures)**

संत एवं सूफी काव्य का सामान्य परिचय एवं प्रवृत्तियाँ।

राम एवं कृष्ण भक्ति काव्य का सामान्य परिचय एवं प्रवृत्तियां।

इकाई चार- रीतिकाल **(15 Lectures)**

रीतिकालीन साहित्य की परिस्थितियाँ और रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्य का सामान्य परिचय एवं प्रवृत्तियाँ।

संदर्भ ग्रंथ:

1) डॉ . बच्चन सिंह, 'हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास', राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2015
2) डॉ . विजयपाल सिंह, 'हिंदी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास', राधाकृष्ण प्रकाशन,नयी दिल्ली, 2011
3) डॉ. नगेंद्र, रामकुमार वर्मा, 'हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2010
4) आचार्य रामचंद्र शुक्ल, 'हिंदी साहित्य का इतिहास',प्रभात प्रकाशन,दिल्ली,2006
5) डॉ . शिवकुमार शर्मा, 'हिंदी साहित्य युग और प्रवृत्तियाँ' , अशोक प्रकाशन, नई सड़क,दिल्ली,1986
6) रामकिशोर शर्मा, 'हिंदी साहित्य का समग्र इतिहास,' लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2009
7) विजयेन्द्र स्नातक, 'हिंदी साहित्य का इतिहास', साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, 2009

S.Y.B.A - (Semester – IV)

<u>Core Course</u>

Course Title: मध्यकालीन काव्य (चयनित कविताएँ)

Course Code: UG-HIN-205

Marks: 100

Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

1) सगुण भक्ति काव्य एवं निर्गुण भक्ति परंपरा और उनकी दार्शनिक मान्यताओं से अवगत कराना।
2) मध्यकालीन काव्य की प्रासंगिकता से परिचित कराना।
3) मीरा के माध्यम से मध्यकालीन नारी जीवन और सामंती व्यवस्था से उसके प्रतिरोध के स्वर को समझाना।
4) रीतिकालीन शृंगारिक काव्य एवं अभिव्यंजना कौशल को समझाना।

Course Outcome:

1) सगुण भक्ति काव्य एवं निर्गुण भक्ति परंपरा और उनकी दार्शनिक मान्यताओं से अवगत कराना।
2) मध्यकालीन काव्य की प्रासंगिकता से परिचित कराना।
3) मीरा के माध्यम से मध्यकालीन नारी जीवन और सामंती व्यवस्था से उसके प्रतिरोध के स्वर को समझाना।
4) रीतिकालीन शृंगारिक काव्य एवं अभिव्यंजना कौशल को समझाना।

Syllabus:

इकाई एक - कबीर और जायसी। **15 Lectures**

इकाई दो - सूरदास और तुलसीदास। **15 Lectures**

इकाई तीन - भूषण और मीराबाई। **15 Lectures**

इकाई चार - बिहारी और घनानंद । **15 Lectures**

(प्रत्येक के 5 चयनित पदों की व्याख्या) (कबीर एवं बिहारी के चयनित 10 दोहे)

संदर्भ ग्रंथ-

1) विश्वंभर ‘मानव’, ‘प्राचीन कवि’, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, नयी दिल्ली, 2009
2) संआचार्य रामचन्द्र शुक्ल .,*जायसी ग्रंथावली*- ना.स.प्र., वाराणसी,1995
3) विश्वनाथ त्रिपाठी, ‘मीरा का काव्य,’ वाणी प्रकाशनए-21-,दरियागंज,नयी दिल्ली,2010
4) श्री जगन्नाथदास .‘रत्नाकर’, ‘बिहारी रत्नाकर,’ लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, नयी दिल्ली,2015
5) डॉ. शिवकुमार शर्मा, ‘हिंदी साहित्य: युग और प्रवृतियाँ’, अशोक प्रकाशन,नयी सड़क,दिल्ली,1986
6) कल्याण सिंह शेखावत, 'मीरा ग्रंथावली भाग-1, 2', वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2001
7) डॉ. सी.एल. प्रभात, 'मीरा जीवन और काव्य', राजस्थानी ग्रन्थगार, जोधपुर 1999
8) रघुवंश, 'जायसी एक नयी दृष्टि', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2008
9) रघुवंश, 'कबीर एक नयी दृष्टि', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2015
10) डॉ. विजय प्रकाश मिश्र, 'हिंदी के प्रतिनिधि कवि', विद्या प्रकाशन, कानपुर, 2000

S.Y.B.A - (Semester – IV)

<u>Core Course</u>

Course Title: प्रयोजनमूलक हिंदी : अनुवाद एवं पत्र लेखन

Course Code: UG-HIN-206

Marks: 100

Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

1) प्रयोजनमूलक हिंदी अर्थ, विविध क्षेत्र तथा रोजगार के अवसरों से परिचित कराना।
2) राजभाषा संबंधी प्रमुख प्रावधानों की जानकारी देना।
3) अनुवाद का स्वरूप, प्रकार एवं अनुवाद कला से अवगत कराना।
4) व्यावसायिक एवं कार्यालयीन पत्र लेखन से परिचित कराना।

Course Outcome:

1) प्रयोजनमूलक हिंदी अर्थ, विविध क्षेत्र तथा रोजगार के अवसरों से परिचित होंगे।
2) राजभाषा संबंधी प्रमुख प्रावधानों को समझने में सक्षम होंगे।
3) अनुवाद का स्वरूप, प्रकार को समझकर अनुवाद कार्य करने में सक्षम होंगे।
4) व्यावसायिक एवं कार्यालयीन पत्र लेखन में निपुण होंगे।

Syllabus:

इकाई एक- (15 Lectures)

1) प्रयोजनमूलक हिंदी का सामान्य परिचय।
2) प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध क्षेत्र
3) प्रयोजनमूलक हिंदी और रोजगार के अवसर

इकाई दो - (15 Lectures)

1. राजभाषा के रूप में हिंदी का विकास।
2. राजभाषा संबंधी प्रमुख प्रावधान

इकाई तीन- अनुवाद लेखन (15 Lectures)

1. अनुवाद : अवधारणा एवं स्वरूप
2. अनुवाद के प्रकार
3. अनुवाद का व्यावहारिक पक्ष

इकाई चार - पत्र लेखन (15 Lectures)

1. व्यावसायिक पत्र: पूछताछ, क्रयादेश, अनुस्मारक, शिकायती पत्र।
2. कार्यालयीन पत्रलेखन: कार्यालय ज्ञापन, कार्यालय आदेश, परिपत्र, कार्यवृत्त।

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ. अंबादास देशमुख ,‘प्रयोजनमूलक हिंदी अधुनातन आयाम’, शैलजा प्रकाशन, कानपुर, 2006
2. विनोद गोदरे ,‘प्रयोजनमूलक हिंदी ’, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2007
3. डॉ माधव सोनटक्के,’प्रयोजनमूलक हिंदी ’, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद,2008
4. कैलाशचंद्र पाण्डेय, ‘प्रयोजनमूलक हिंदी की नयी भूमिका’, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद, 2007
5. डॉ. अर्जुन चव्हाण, मीडिया कालीन हिंदी स्वरूप: और संभावनाएँ,राधाकृष्ण प्रकाशन,दिल्ली,2005
6. जितेंद्र गुप्त,पत्रकारिता में अनुवाद, राधाकृष्ण प्रकाशन,दिल्ली,2006
7. डॉ. अजयप्रकाश, डॉ. रमेशवर्मा, डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह, 'प्रयोजनमूलक हिंदी ', समवेत रामबाग, कानपुर, 2005
8. डॉ. अनिल कुमार तिवारी, 'सरकारी कार्यालयों व बैंकों में प्रयोजनशील हिंदी', विश्वभारती प्रकाशन, नागपुर, 2004
9. प्रो. विराज एम. ए., 'प्रामाणिक आलेखन और टिप्पण', राजपाल एण्ड सन्ज, दिल्ली, 1978
10. प्रा. विकास पाटिल, 'हिंदी भाषा में रोजगार के अवसर', ए. बी. एस. पब्लिकेशन, वाराणसी, 2019
11. डॉ. सुरेश सिहल, 'अनुवाद, अवधारणा और आयाम', संजय प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2006

S.Y.B.A - (Semester – IV)
<u>Core Course</u>
Course Title: विशेष अध्ययन : हिंदी कहानी
Course Code: UG-HIN-207
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

1) हिंदी कहानी की अवधारणा, स्वरूप, तत्व एवं उसकी विकासयात्रा को समझाना।
2) प्रेमचंद की कहानी कला से अवगत कराना।
3) फणीश्वरनाथ रेणु की आंचलिक कहानियों से परिचित कराना।
4) हिंदी कहानी में सूर्यबाला के योगदान से अवगत कराना।

Course Outcomes:

1) हिंदी कहानी की अवधारणा, स्वरूप, तत्व एवं उसकी विकासयात्रा को समझेंगे ।
2) प्रेमचंद की कहानी कला से अवगत होंगे।
3) फणीश्वरनाथ रेणु की कहानियों से परिचित होंगे।
4) हिंदी कहानी में सूर्यबाला के योगदान से अवगत होंगे।

Syllabus:

इकाई एक - (15 Lectures)

कहानी : स्वरूप एवं तत्व

इकाई दो - मुंशी प्रेमचंद की तीन कहानियाँ (15 Lectures)

1. बूढ़ी काकी
2. रामलीला
3. सद्‌गति

इकाई तीन -फणीश्वरनाथ रेणु की तीन कहानियाँ (15 Lectures)

1. पंचलाइट
2. लालपान की बेगम
3. ठेस

इकाई चार -सूर्यबाला की तीन कहानियाँ (15 Lectures)

1. आखिरी विदा
2. बाऊजी और बंदर
3. होगी जय, होगी जय! हे पुरुषोत्तम नवीन...

संदर्भ ग्रंथ -

1. डॉ. नगेन्द्र, 'हिन्दी साहित्य का इतिहास', नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दरियागंज, दिल्ली,1973
2. बच्चन सिंह,'हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास',राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली,2004
3. रामस्वरूप चतुर्वेदी,'हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2005
4. डॉ. फणीश सिंह,'हिन्दी साहित्य: एक परिचय,राजकमल प्रकाशन, इलाहाबाद, 2006
5. गोपाल राय,'हिन्दी कहानी का इतिहास,'राजकमल प्रकाशन, इलाहाबाद, 2008
6. डॉ.सूर्यबाला की 21 श्रेष्ठ कहानियाँ, डायमंड पब्लिकेशन,दिल्ली 2018

S.Y.B.A/B.Sc. - (Semester – IV)
VOC (Vocational Course)
Course Title: अनुवाद : सिद्धांत एवं व्यवहार
Course Code: UG- HIN-VOC-1
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective -

1) अनुवाद का स्वरूप, महत्त्व एवं उसकी आवश्यकता को समझाना।
2) अनुवाद के प्रकार एवं प्रक्रिया से अवगत कराना।
3) अनुवाद के क्षेत्र एवं उसकी समस्याओं से परिचित कराना।
4) अनूदित कृतियों का समीक्षात्मक अध्ययन कराना।

Course Outcome -

1) अनुवाद का स्वरूप, महत्त्व एवं उसकी आवश्यकता को समझेंगे।
2) अनुवाद के प्रकार एवं प्रक्रिया से अवगत होंगे।
3) अनुवाद के क्षेत्र एवं उसकी समस्याओं से परिचित होंगे।
4) अनूदित कृतियों का समीक्षात्मक अध्ययन करने में सक्षम होंगे।

Syllabus

इकाई एक - (15 Lectures)

अनुवाद : अवधारणा एवं स्वरूप
अनुवाद कार्य की आवश्यकता एवं महत्त्व
बौद्धिक-सांस्कृतिक आदान-प्रदान (वर्तमान समय) में अनुवाद की भूमिका

इकाई दो - (15 Lectures)

अनुवाद के प्रकार - शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, सारानुवाद, आशु अनुवाद कार्यालयीन अनुवाद, वाणिज्यिक अनुवाद।
अनुवाद की प्रक्रिया

इकाई तीन - (15 Lectures)

अनुवाद के क्षेत्र

अनुवाद की समस्याएँ

इकाई चार- (15 Lectures)

अनूदित कृति का व्यावहारिक पक्ष

कोंकणी से हिंदी में अनूदित दो कविताएँ एवं दो कहानियाँ

संदर्भ सूची :-

1) डॉ. सुरेश सिहल, 'अनुवाद, अवधारणा और आयाम', संजय प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2006
2) जितेंद्र गुप्त,पत्रकारिता में अनुवाद, राधाकृष्ण प्रकाशन,दिल्ली,2006 डॉ.
3) बालेन्दु शेखर तिवारी, ‘अनुवाद विज्ञान’, प्रकाशन संस्थान, 2011
4) भोलानाथ तिवारी, ‘अनुवाद विज्ञान: सिद्धान्त एवं प्रविधि’, किताबघर प्रकाशन, दरयागंज, नई दिल्ली, 2019
5) डॉ. संजीव कुमार जैन, ‘अनुवाद विज्ञान’, कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल, मध्यप्रदेश,2019